दैनिक भास्कर कुचामन भास्कर 10-08-2020

कॉलेज में कोविड-19 में ई-क्लास प्लेटफॉर्म पर हुआ वर्चुअल क्लास का हुआ आयोजन

बांगड़ कालेज डीडवाना व डूंगर कालेज बीकानेर के भूगर्भ शास्त्र विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन

भास्कर संवाददाता | डीडवाना

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण व्यास ने बताया कि कोविड के कारण सरकारी गाइडलाइंस के अनुसार विद्यार्थी वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन के लिए नहीं आ रहे है तब इस परिस्थिति में इनके लिए ई क्लास के माध्यम से बांगड़ कॉलेज डीडवाना व डूंगर कॉलेज बीकानेर के भूगर्भ शास्त्र विभागों के संयुक्त तत्वावधान में ई प्लेटफॉर्म पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश) के एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार कथल ने राजस्थान के 60 से अधिक भूविज्ञान विषय के पीजी व यूजी स्टूडेंट्स को सूक्ष्म जीवाश्मिकी विषय पर जानकारी प्रदान कर रहे है। गत शुक्रवार से शुरू हुई ई क्लासेज में रविवार को भी स्टूडेंट्स ने माइक्रो पैलियंटोलॉजी के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त की। इस ई क्लास के सफल आयोजन पर डूंगर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश कौशिक ने प्रसन्नता व्यक्त की व इससे जुड़ने वाले स्टूडेंट्स को ई क्लास से फायदा लेने का आह्वान किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एस. आर. जाखड़ व बीकानेर डूंगर कॉलेज में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिशिर शर्मा ने विख्यात प्रोफेसर कथल का राजस्थान के स्टूडेंट्स के लिए ई क्लास के माध्यम से जानकारी प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, डीडवाना के 60 से अधिक स्टूडेंट्स इस ई क्लास से ऑनलाइन जुड़े व माइक्रो पैलियंटोलॉजी पर जानकारी प्राप्त कर रहे है।

ई क्लास के मंच का संचालन बीकानेर से डॉ. देवाराम कर रहे हैं। ई क्लास कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. जहाँगीर रहमान कुरैशी ने बताया कि इस प्रोग्राम के पहले दौर में 13 अगस्त तक प्रोफेसर प्रदीप कथल सूक्ष्म जीवाश्मिकी के विभिन्न आयामों पर ई टीचिंग से स्टूडेंट्स को लाभान्वित करेंगे। बांगड़ कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर सी. एस. डोटासरा ने विभिन्न शहरों के भिन्न भिन्न भूगर्भ शास्त्र विभागों के एक मंच पर आकर स्टूडेंट्स के हितार्थ आयोजित ई क्लास व्याख्यान कार्यक्रम के आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए इस आयोजन से जुड़े सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि विख्यात पर्यावरण विद प्रोफेसर प्रदीप कुमार कथल 38 वर्षों से शैक्षणिक कार्यों का अनुभव रखते हैं तथा देश के नामचीन पैलियंटोलॉजिस्ट है और पुस्तकों के लेखन के साथ इनके 45 से अधिक रिसर्च पेपर्स राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए है। ई क्लास के आयोजन समिति के डॉ. अनिल यादव, डॉ. देवेश खण्डेलवाल व विजयपाल मीना, जमना राम और विजय कुमार महरिया ने विद्यार्थियों द्वारा ई क्लास के प्रति उत्साह और एकाग्रता दर्शाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

Scanned with CamScanner

विकास कार्यों की गुणवत्ता व उपयोगिता की ली जानकारी

- रूसा की ओर से गठित दल ने किया बांगड़ महाविद्यालय का निरीक्षण, विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

डीडवाना,(निर्मल सर्राफ): राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत हुए विकास कार्यों की निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य प्रोजेक्ट निदेशालय रूसा की ओर से गठित निरीक्षण दल ने महाविद्यालय में तीसरी बार निरीक्षण किया तथा रूसा के तहत हुए विभिन्न कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों से संवाद कर जानकारी जुटाई।

निरीक्षण दल के प्रभारी ऑडिटर डॉ.राजकुमार सामन्त तथा सहायक लेखाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद गुरु ने महाविद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम

डीडवाना बांगड़ महाविद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए रूसा की ओर से गठित निरीक्षण दल के सदस्य। (छाया: पंजाब केसरी)

विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में हुए रूसा स्कीम के तहत करवाए कार्यों की जानकारी देते हुए इन्हें विद्यार्थी हित में बताया एवं कार्यों की गुणवत्ता को अच्छा बताया। संवाद कार्यक्रम में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमराराम तथा स्नातकोत्तर भू-गर्भशास्त्र की छात्रा निहारिका राठौड़ ने निरीक्षण दल के समक्ष रूसा कार्यों की जानकारी दी। छात्रा भाग्यश्री तथा विमला एवं छात्र दीनदयाल ने रूसा की आगामी योजना के लिए महाविद्यालय की शेष रही अन्य योजनाओं के प्रस्ताव पर चर्चा की। निरीक्षण दल ने विद्यार्थियों के साथ संवाद को अच्छा बताया। इसके पश्चात निरीक्षण दल ने संकाय सदस्यों के साथ संवाद कार्यक्रम किया। संकाय सदस्यों ने रूसा स्कीम के तहत महाविद्यालय में हुए गुणवत्तायुक्त विकास कार्यों की प्रशंसा की। डॉ.इरसाद अली, चैनाराम मुंदलिया, अनिल कुमार, चैनाराम महला, डॉ.रेखा वर्मा, डॉ.अतुल गर्ग, डॉ.अजय शर्मा, अविनाश अग्रवाल, किरण देशवाल ने निरीक्षण दल के साथ चर्चा की।

निरीक्षण दल के समक्ष महाविद्यालय के रूसा प्रभारी डॉ. जहांगीर रहमान कुरैशी ने कॉलेज में हुए विकास कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि रूसा स्कीम के तहत पहली किश्त में आवंटित हुए अनुदान से पुस्तकालय ऑटोमेशन एवं विद्यार्थी हितार्थ नवीन पुस्तकों के क्रय के अलावा नए कम्प्यूटर, प्रयोगशाला उपकरण एवं 40 केवी का डीजल जनरेटर सेट खरीदे गए। उन्होंने बताया कि नवीन कार्यों के तहत विद्यार्थियों के उपयोग के लिए नए सेमिनार हॉल का निर्माण करवाया तथा कॉलेज में विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी विंग की ओर भूगोल विभाग के पास प्रथम तल पर जाने के लिए नई सीढ़ियों का निर्माण भी करवाया गया। निरीक्षण दल ने महाविद्यालय एवं छात्रावास परिसर में विभिन्न स्थानों पर हुए विकास कार्यों का मौका-मुआयना किया एवं विभिन्न विभागों की प्रयोगशालाओं में क्रय किए गए नवीन उपकरणों की जानकारी प्राप्त की एवं रूसा से सम्बन्धित सभी पत्रावलियों, लेखा प्रपत्र, बैंक का लेखा-जोखा एवं केश बुक आदि का गहराई से निरीक्षण किया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ.मनीषा गोदारा ने निरीक्षण दल का धन्यवाद ज्ञापित किया। निरीक्षण के दौरान समन्वयक की भूमिका के रूप में डॉ.अरुण व्यास ने सहयोग प्रदान करते हुए संवाद कार्यक्रमों का संचालन किया। प्राचार्य प्रो.चतर सिंह डोटासरा ने आगामी रूसा योजना के प्रस्ताव साक्ष्य पर तैयार करने का आह्वान किया।

Scanned with CamScanner

पृथ्वी दिवस विशेष

पृथ्वी स्वयं अपनी रक्षा करने में सक्षम

जलवायु परिवर्तन भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती, कोरोना एक चेतावनी, जीवन शैली में बदलाव की आवश्यकता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

डॉ. अरूण व्यास।

डीडवाना. पूरे संसार में पर्यावरण संरक्षण को समर्थन देने के लिए हर साल 22 अप्रेल को 'पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस की शुरुआत अमेरिकी सीनेटर गेलोर्ड नेल्सन ने पर्यावरण की शिक्षा के रूप में की थी। सबसे पहले इस दिन को मनाने की शुरुआत सन् 1970 में हुई, जिसके बाद आज इस दिन को करीब 200 देश मनाते हैं। पृथ्वी दिवस 2020 को मनाने के लिए विशेष थीम जलवायु है। जलवायु परिवर्तन मानवता के भविष्य और जीवन-समर्थन प्रणालियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, जो हमारी दुनिया को रहने योग्य बनाता है।

शहर के राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में भूगर्भ शास्त्र विषय के सह आचार्य डॉ. अरूण व्यास ने बताया कि पृथ्वी दिवस हमारे ग्रह की सुरक्षा के लिए पर्यावरण जागरूकता को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया दिन है। 4 अरब 60 करोड वर्ष पुराने हमारे ग्रह पर लाखों प्रजातियां हैं, दुर्भाग्य से मानव ने प्रकृति के संतुलन को पूरी तरह से खराब कर दिया है और इसके परिणामस्वरूप दुनिया में प्रजातियों के विलुप्त होने की सबसे बड़ी दर का सामना करना पड़ रहा है। हमने 6 करोड साल पहले डायनासोर को खो दिया था, इसके बाद वर्तमान में हमारी दुनिया में प्रजातियों का तेजी से विलुप्त होना मानव गतिविधि का परिणाम है। डॉ. अरूण व्यास के अनुसार अभूतपूर्व वैश्विक विनाश और पौधों और वन्यजीवों की आबादी में तेजी से कमी सीधे मानव गतिविधि से प्रेरित कारणों से जुड़ी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, पर्यावरण प्रदूषण और कीटनाशकों के बढते प्रभाव बहुत दूर तक पहुंच रहे हैं। हमें लुप्तप्राय और खतरे वाली प्रजातियों की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि पृथ्वी पर जल, जंगल, जमीन, जनसंख्या और जलवायु परिवर्तन जीवन प्रणाली को प्रभावित कर रहें हैं। मानव गतिविधियों से हो रहे पर्यावरण प्रदूषण ने पृथ्वी दिवस' को मनाये जाने की उपयोगिता को बढा दिया है। हमें सावचेत रहकर हमारी जीवन शैली में बदलाव करना होगा नही तो मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी पर छठे महाविनाश को रोकना कठिन होगा। वैश्विक महामारी कोविड-19 एक चेतावनी है। इस वक्त जारी की गई एडवाइजरी की पालना करते हुए लाकडाउन में अपने घरों में रहकर अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिए संयम रखना होगा और हमारी जीवन शैली में बदलाव लाना होगा।

पत्रिका Thu, 23 April 2020
epaper.patrika.com/c/51240122

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर

कुचामन भास्कर 24-04-2022

क्रया आग बढ़ान म समस्या आइ।

सेवन से मौत हो गई। जानकारी के

उसने दम तोड़ दिया।

पृथ्वी दिवस पर इन्वेस्ट इन ऑवर प्लेनेट अब महत्वपूर्ण आवश्यकता: डॉ. व्यास

पर्यावरण संरक्षण को प्रमुखता दिए जाने का किया गया आह्वान

भास्कर संवाददाता | डीडवाना

पृथ्वी पर मानव के साथ जीव जंतु और पादप जगत के जीवन के लिए उपलब्ध उपयुक्त एकमात्र ग्रह पृथ्वी पर आज जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापवृद्धि के मुद्दों पर विश्व स्तर पर वैज्ञानिकों द्वारा जाहिर चिंता को गंभीरता से लेते हुए आज पृथ्वी के पर्यावरण संरक्षण को प्रमुखता प्रदान किए जाने की आवश्यकता है।

भूगर्भ विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और पर्यावरणविद् डॉ अरुण व्यास ने पृथ्वी दिवस पर बताया कि इसी महीने की शुरुआत में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज-आईपीसीसी द्वारा जारी तीसरी रिपोर्ट में सुझाएं गये रोड मैप पर ठोस कार्रवाई वैश्विक स्तर पर तुरंत करने से ही पृथ्वी पर जीवन संकट के लिए जिम्मेदार कारकों से निजात पाया जा सकेगा। डॉ. व्यास के अनुसार आईपीसीसी रिपोर्ट स्पष्ट हैं-मानव-प्रेरित जलवायु परिवर्तन व्यापक और तीव्र है। व्यास ने कहा कि पृथ्वी दिवस पर इन्वेस्ट इन ऑवर प्लेनेट आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारी जीवन शैली और व्यवहार में बदलाव को सक्षम करने के लिए सही नीतियां, बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी होने से 2050 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 40-70 प्रतिशत की कमी हो सकती है। जिन परिदृश्यों का रिपोर्ट में आकलन किया है, उनमें वार्मिंग को लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस (2.7 डिग्री फारेनहाइट) तक सीमित करने के लिए वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 2025 से पहले चरम पर ले जाने की आवश्यकता है, और 2030 तक इसे 43त्न तक कम किया जाना चाहिए; साथ ही, मीथेन को भी लगभग एक तिहाई कम करने की आवश्यकता होगी।

Scanned with CamScanner

page view

संदर्भ : विश्व पर्यावरण दिवस

पृथ्वी पर पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक सोच जरूरी

राजस्थान पत्रिका

गेस्ट राइटर

डॉ अरुण व्यास
भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष और पर्यावरणविद्

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डीडवाना. विश्व पर्यावरण दिवस पर राजकीय बांगड़ महाविद्यालय डीडवाना में भूगर्भ शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष और पर्यावरणविद् डॉ अरुण व्यास ने बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापवृद्धि से आज जीवन संकट के रास्ते पर आ गया है। मानव ने समय रहते पर्यावरण संरक्षण के लिए वैज्ञानिक, आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तरो पर व्यापक सोच के साथ विभिन्न उपायो को अपनाकर प्रदुषण मुक्त राह नहीं पकड़ी तो पृथ्वी पर जीवन आगामी महाविनाश से शीघ्र ही संकटग्रस्त होने वाला है।

वैश्विक स्तर पर "ओनली वन अर्थ" थीम पर इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। जल, जमीन, जंगल, जीव जंतु और पेड़ पौधों के जीवन पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक असर पड़ा है। जनसंख्या वृद्धि के साथ कार्बन उत्सर्जन और वैश्विक तापवृद्धि, समुद्र के जल स्तर मे संभावित वृद्धि अन्य चुनौतियां है। जिससे जन जीवन पर संकट के बादल छा जाएंगे।

डॉ. व्यास ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन पर रोक लगा कर ही पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए पृथ्वी पर जीवन यापन को सुरक्षित रखा जा सकेगा।

'केवल एक पृथ्वी' की थीम का मतलब

विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में मनाया जा रहा है जब पृथ्वी पर हम कई संकटों का सामना कर रहे हैं। जनसंख्या वृद्धि और प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता एवं आपूर्ति में असंतुलन से लेकर जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता के नुकसान पर दुनिया भर में चिंता जताई जा रही है। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के नेतृत्व में मनाया जाता है, जो कि खराब पर्यावरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सकारात्मक कार्रवाई करने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करता है। पिछली सौ साल में मानव जाति की प्रगति के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के विदोहन और प्रत्येक दशक में समुद्री प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से लेकर वनस्पतियों और जीवों के ह्रास तक पर्यावरणीय मुद्दों में वृद्धि देखी गई है, जो हम सब के लिए चिंता का विषय है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

गत 50 वर्षों से विश्व पर्यावरण दिवस लोगों के लिए पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के अभियानों में भाग लेने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। यह दिन हर साल एक विशिष्ट विषय और नारे के अनुसार मनाया जाता है, जो उस समय की प्रमुख पर्यावरणीय चिंता को संबोधित करता है। हर साल, एक अलग देश इस आयोजन की मेजबानी करता है। भारत ने 2018 में 45वें विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी की। उस वर्ष की थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं' थी। पिछले साल विश्व पर्यावरण दिवस के उत्सव ने पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली (2021-2030) पर संयुक्त राष्ट्र के दशक की शुरुआत की जो कि खेतों से लेकर जंगलों तक, पहाड़ों की चोटी से लेकर समुद्र की गहराई तक अरबों हेक्टेयर को पुनर्जीवित करने के लिए एक वैश्विक मिशन है। स्वीडन विश्व पर्यावरण दिवस, 2022 का मेजबान देश है और 'केवल एक पृथ्वी' - प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने पर ध्यान केंद्रित करना - विषय के रूप में विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में मनाया जा रहा है, जब हमारी पृथ्वी कई संकटों का सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन से लेकर जैव विविधता के नुकसान और कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि और ग्लोबल वार्मिंग के विभिन्न मुद्दों पर यह दिन लोगों को जमीनी और सामुदायिक स्तर पर संसाधनों के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराते हुए सकारात्मक बदलाव के साथ जीवमंडल को नुकसान से बचाने का है।

Scanned with CamScanner

क्रिएटिविटी

ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित

डीडवाना @ पत्रिका. शहर स्थित बांगड़ राजकीय महाविद्यालय में एनएसएस, एन.सी.सी. व रोवर स्काउट के संयुक्त तत्वावधान में नियमित विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, निबन्ध और स्लोगन की ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन प्रभारी प्रो. चेनाराम महला ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे कोरोना जागरूकता अभियान और राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को जन जन तक पहुँचाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आयुक्तालय के निर्देशानुसार प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया, इसके लिए ईमेल पर प्रतियोगितों ने अपनी प्रविष्ठियां भेजी। प्राचार्य डॉ जहाँगीर रहमान कुरैशी, एन.एन.एस जिला समन्वयक प्रो. चेनाराम मुन्दलिया, एन.सी.सी. प्रभारी प्रो. अविनाश अग्रवाल, डॉ. मगनलाल ढाका ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में रोनक जागिड़ प्रथम व भाग्यश्री जाखड़ द्वितीय स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में सरजू प्रथम स्थान पर व रोनक जागिड़ द्वितीय स्थान पर रही। इसी क्रम में निबंन्ध प्रतियोगिता में भाग्यश्री जाखड़ प्रथम व कनिका द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में डॉ इरशाद अली खान, प्रो. प्रेम परिहार व डॉ. रेखा वर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

Scanned with CamScanner

Anant Cyc

Date

Page

30 जनवरी 2021

राज. पत्रिका पेज.न. 13

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

डीडवाना. बांगड़ महाविद्यालय में एन.सी.सी., एन.एस.एस., आई.क्यू.ए.सी., रोवर्स के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता थाना प्रभारी नरेन्द्र जाखड़ ने उपस्थितों को यातायात नियमों की जानकारी दी। नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रो.सी.एस. डोटासरा ने भी विचार व्यक्त किए। डॉ.जहांगीर रहमान कुरैशी ने पुलिस विभाग की विद्यार्थियों से संवाद की पहल का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी चेनाराम महला ने आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर डॉ. इरशाद अली खान, प्रो. हबीब खान, डॉ. मनीषा गोदारा, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ. अजय शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आई.क्यू.ए.सी. प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. अरूण व्यास ने किया।

Scanned with CamScanner

विकास कार्यों की गुणवत्ता देखी एवं जानी उपयोगिता

रूसा के दल ने किया बांगड़ महाविद्यालय का निरीक्षण, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों से भी किया संवाद

न्यूज सर्विस/नवज्योति, डीडवाना

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत हुए विकास कार्यों की निगरानी एवं समीक्षा को लेकर राज्य प्रोजेक्ट निदेशालय रूसा द्वारा गठित निरीक्षण दल ने महाविद्यालय का तीसरी बार निरीक्षण किया। दल ने विभिन्न कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों से संवाद कर जानकारी जुटाई। दल प्रभारी ऑडिटर डॉ. राजकुमार सामंत, सहायक लेखाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद गुरु ने निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में महाविद्यालय में रूसा स्कीम के तहत करवाए गए कार्यों की जानकारी देते हुए इन्हें विद्यार्थी हित में बताया एवं कार्यों की गुणवत्ता को अच्छा बताया।

संवाद कार्यक्रम में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमराराम तथा स्नातकोत्तर-भूगर्भशास्त्र की छात्रा निहारिका राठौड़ ने निरीक्षण दल के समक्ष रूसा कार्यों की जानकारी दी। जबकि छात्रा भाग्यश्री तथा विमला एवं छात्र दीनदयाल ने रूसा की आगामी योजना [illegible] महाविद्यालय की शेष रही अन्य योजनाओं के प्रस्ताव पर चर्चा की। निरीक्षण दल ने विद्यार्थियों के साथ संवाद को अच्छा बताया। इसके पश्चात निरीक्षण दल ने संकाय सदस्यों के साथ संवाद किया। संकाय सदस्यों ने रूसा स्कीम के तहत महाविद्यालय में हुए गुणवत्तायुक्त विकास कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान डॉ. इरसाद अली, चैनाराम मुंदलिया, अनिल कुमार, चैनाराम महला, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ. अतुल गर्ग, डॉ. अजय शर्मा, अविनाश अग्रवाल, श्रीमती किरण देशवाल ने निरीक्षण दल के साथ चर्चा की। निरीक्षण दल के समक्ष महाविद्यालय के रूसा प्रभारी डॉ. जहांगीर रहमान कुरैशी ने कॉलेज में हुए विकास कार्यों कालेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि रूसा स्कीम के तहत पहली किश्त में आवंटित हुए अनुदान से पुस्तकालय ऑटोमेशन एवं नवीन पुस्तकों के क्रय के अलावा नए कम्प्यूटर, प्रयोगशाला उपकरण एवं 40 केवी का डीजल जनरेटर सेट खरीदे गए हैं। उन्होंने बताया कि नवीन कार्यों के तहत नए सेमिनार हॉल का निर्माण करवाया तथा कॉलेज में विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को ध्यान में रखते हुए पश्चिमी वींग की ओर भूगोल विभाग के पास प्रथम तल पर जाने के लिए नई सीढ़ियों का निर्माण भी करवाया गया है।

डीडवाना। बांगड़ महाविद्यालय में पुस्तकालय का निरीक्षण करते रूसा द्वारा गठित सदस्य। -कृष्णमुरारी सर्राफ

पत्रावलियों का निरीक्षण

निरीक्षण दल ने महाविद्यालय एवं छात्रावास परिसर में विभिन्न स्थानों पर हुए विकास कार्यों का मौका-मुआवना किया एवं विभिन्न विभागों की प्रयोगशालाओं में क्रय किए गए नवीन उपकरणों की जानकारी भी ली। रूसा से संबंधित सभी पत्रावलियों, लेखा प्रपत्र, बैंक का लेखा-जोखा एवं कैश बुक इत्यादि का गहराई से निरीक्षण किया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. मनीषा गोदारा ने निरीक्षण दल का धन्यवाद ज्ञापित किया। निरीक्षण के दौरान समन्वयक की भूमिका के रूप में डॉ. अरुण व्यास ने सहयोग प्रदान करते हुए संवाद कार्यक्रमों का संचालन किया। प्राचार्य प्रो. चतर सिंह डोटासरा ने आगामी रूसा योजना के प्रस्ताव समय पर तैयार करने का आह्वान किया।

Scanned with CamScanner

बांगड़ कॉलेज के कार्यों का निरीक्षण

रूसा की टीम ने लिया जायजा

डीडवाना. महाविद्यालय में प्रयोगशाला का निरीक्षण करता दल।

डीडवाना. शहर के बांगड़ राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत हुए विकास कार्यों की निगरानी एवं समीक्षा के लिए राज्य प्रोजेक्ट निदेशालय रूसा द्वारा गठित निरीक्षण दल की ओर से निरीक्षण किया गया। यहां रूसा के तहत हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों से संवाद करते हुए दल द्वारा जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण दल के प्रभारी ऑडिटर डॉ. राजकुमार सामन्त व सहायक लेखाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद गुरू ने महाविद्यालय में निरीक्षण किया। इस मौके पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रूसा योजना के तहत करवाए गए कार्यों जानकारी देते हुए इन्हें विद्यार्थी हित में बताया। इससे पूर्व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमराराम व स्नातकोत्तर -भूगर्भशास्त्र की छात्रा निहारिका राठौड़ ने निरीक्षण दल के समक्ष रूसा कार्यों की जानकारी दी। भाग्यश्री, विमला व छात्र दीनदयाल ने रूसा की आगामी योजना के लिए महाविद्यालय की शेष रही अन्य योजनाओं के प्रस्ताव पर चर्चा की। इस मौके पर डॉ. इरसाद अली, चैनाराम मुंदलिया, अनिल कुमार, चैनाराम महला, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ.अतुल गर्ग, डॉ. अजय शर्मा, अविनाश अग्रवाल, किरण देशवाल ने निरीक्षण दल के साथ चर्चा की। रूसा प्रभारी डॉ. जहाँगीर रहमान कुरेशी ने कॉलेज में हुए विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि रूसा स्कीम के तहत पहली किश्त में आवंटित हुए अनुदान से पुस्तकालय ऑटोमेशन एवं विद्यार्थी हितार्थ नवीन पुस्तकों के क्रय के अलावा नए कम्प्यूटर, प्रयोगशाला उपकरण एवं 40केवी का डीजल जनरेटर सेट खरीदे गए। डॉ. कुरैशी ने बताया कि महाविद्यालय को रूसा स्कीम के तहत द्वितीय एवं तृतीय किस्त में प्राप्त ग्रांट का उपयोग न्यू कंस्ट्रक्शन एवं रेनोवेशन कार्यों में किया गया। इसके अलावा महाविद्यालय में इंटरनेट की सुविधा बढाने के लिए डेडिकेटेड लीज लाइन कनेक्शन लिया गया। नवीन कार्यों के तहत विद्यार्थियों के उपयोग के लिए सेमिनार हॉल का निर्माण, भूगोल विभाग के पास प्रथम तल पर जाने के लिए नई सीढियों का निर्माण, छात्रावास में 02 ब्लॉक्स में सुविधा युक्त शौचालयों का निर्माण आदि का कार्य करवाया गया। इस मौके पर निरीक्षण दल ने विकास कार्यों का मौका-मुआयना किया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. मनीषा गोदारा ने निरीक्षण दल का आभार ज्ञापित किया। समन्वयक की भूमिका के रूप में डॉ. अरुण व्यास ने सहयोग प्रदान करते हुए संवाद कार्यक्रमों का संचालन किया। प्राचार्य प्रो. चतर सिंह डोटासरा ने आगामी रूसा योजना के प्रस्ताव समय पर तैयार करने की बात कही।

Scanned with CamScanner